

---

# Uttangakritam 1 Vishnu Stotram

---

## उत्तङ्गकृतं १ विष्णुस्तोत्रम्

---

### Document Information

Text title : Uttangakritam 1 Vishnu Stotram

File name : uttangakRRitaM1viShNustotram.itx

Category : vishhnu, vishnu, mahAbhArata, stotra

Location : doc\_vishhnu

Proofread by : PSA Easwaran

Description/comments : mahAbhArata | Ashvaparva | adhyAya 54/7-8||

Latest update : November 2, 2025

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

November 2, 2025

*sanskritdocuments.org*

---

---

Uttangakritam 1 Vishnu Stotram

——  
उत्तङ्गकृतं १ विष्णुस्तोत्रम्



उत्तङ्ग उवाच ।  
विश्वकर्मन्नमस्तेऽस्तु यस्य ते रूपमीदृशम् ।  
पद्भ्यां ते पृथिवी व्याप्ता शिरसा चावृतं नभः ॥ ६ ॥  
द्यावापृथिव्योर्यन्मध्यं जठरेण तदावृतम् ।  
भुजाभ्यामावृताश्चाशास्त्वमिदं सर्वमच्युत ॥ ७ ॥  
संहरस्व पुनर्देव रूपमक्षय्यमुत्तमम् ।  
पुनस्त्वां स्वेन रूपेण द्रष्टुमिच्छामि शाश्वतम् ॥ ८ ॥  
इति महाभारते आश्वमेधिकपर्वणि ५४ अध्यायान्तर्गतं  
अर्जुनकृतं श्रीकृष्णस्तोत्रं सम्पूर्णम् ।  
महाभारत । आश्वपर्व । अध्याय ५४/७-८ ॥

mahAbhArata . Ashvaparva . adhyAya 54/7-8..

Proofread by PSA Easwaran

---

——  
*Uttangakritam 1 Vishnu Stotram*

pdf was typeset on November 2, 2025

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

